firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

Voices of Ability. Stories of Hope. Stories from the Heart of Rehab

विंसम टाइम्स का भव्य शुभारंभ निमरत कौर ने बच्चों संग बिताए यादगार पल

सेक्टर-70। समाज में समावेशन और सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत शुक्रवार को फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन द्वारा दिव्यांग बच्चों की रचनात्मकता से तैयार किए गए समाचार पत्र "विंसम टाइम्स" का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचीं सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री निमरत कौर ने लोकार्पण कर बच्चों की प्रतिभा को सराहा और उनके साथ हर्षोल्लास से समय बिताया।

"यह सिर्फ एक अखबार नहीं, बल्कि बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और सामाजिक भागीदारी का प्रतीक है," निमरत कौर ने कहा। उन्होंने आगे यह भी जोड़ा कि विशेष बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ पत्रकारिता और संवाद से जोड़ना समाज में सकारात्मक बदलाव की ओर एक सशक्त कदम है।

इस अवसर पर निमरत कौर ने बच्चों के साथ बातचीत की, उनकी कहानियाँ सुनीं, फिटनेस व सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में जानकारी ली और उनके साथ खेल-खेल में खूब समय बिताया। उन्होंने कहा कि बच्चों के उत्साह और आत्मीयता ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया और उनके साथ बिताए ये पल जीवनभर यादगार रहेंगे।

कार्यक्रम में ग्रंथ, ओशिमा, ओजिता, नैतिक, राजवी, शोभित, स्नेहा, आराध्या, पावनी, मेघान, सृष्टि, रजत, राघवीं और सारांश जैसे बच्चों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की।

फाउंडेशन की टीम से डॉ. महीपाल सिंह (डायरेक्टर), डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव (मैनेजिंग डायरेक्टर), डॉ. सुष्मिता भाटी (सीईओ), कृष्णा यादव (एडमिन हेड), सुरभि जैन (सेंटर मैनेजर), इलिका रावत (स्पेशल एजुकेटर) और सौम्या सोनी (डिजिटल मीडिया एवं कम्युनिकेशन मैनेजर) उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अभिनेत्री का स्वागत किया और फाउंडेशन की गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया।

यह शुभारंभ समारोह न केवल एक अखबार के विमोचन तक सीमित रहा, बल्कि यह बच्चों की प्रतिभा और समाज में समावेशन को उजागर करने वाला एक उत्सव बन गया।

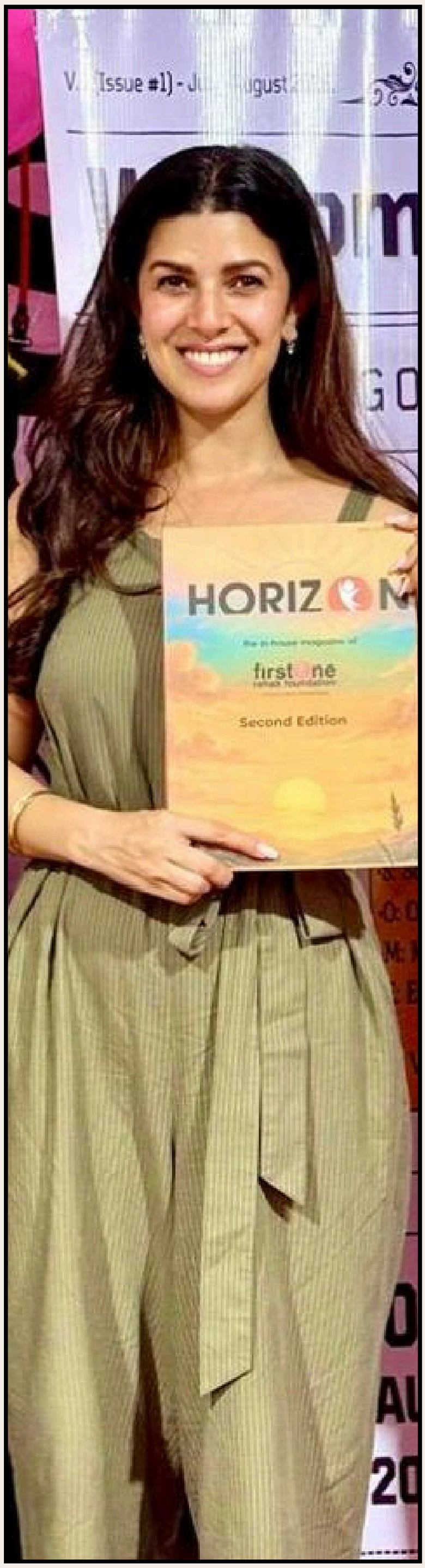

Winsome Times—एक ऐसा जीवंत मंच, जहाँ हमारी कहानियाँ समुदाय की ऊर्जा, करुणा की गर्माहट और बदलाव की प्रेरणा से महक उठती हैं।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

मंत्री श्री बीएल वर्मा ने नोएडा के सेक्टर 70 में स्थित फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन का दौरा किया।

नोएडा | केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री बीएल वर्मा ने नोएडा के सेक्टर 70 में स्थित फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दिव्यांग बच्चों से बातचीत की और फाउंडेशन द्वारा प्रदान की जा रही पुनर्वास सेवाओं की सराहना की। मंत्री जी ने फाउंडेशन के निदेशक डॉ. महीपाल सिंह और डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव के साथ केंद्र का भ्रमण किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुष्मिता भाटी और प्रशासन प्रमुख कृष्णा यादव ने मंत्री जी का स्वागत किया, जबकि विशेष शिक्षिका इलिका रावत ने बच्चों का परिचय करवाया।

इस मौके पर डिजिटल एवं सोशल मीडिया मैनेजर सौम्या सोनी ने मंत्री जी को अपनी मैगजीन और पुष्प देकर उन्हें भेंट दी। इस दौरान बच्चों में खुशी, आराध्या, शौर्य, ग्रंथ, आर्या, विदांश, नैतिक, सारांश आदि ने मंत्री जी के साथ बातचीत की और उनके साथ समय बिताया। बच्चों की उपस्थिति और उत्साह ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया।

Birthday Celebrations at FirstOne Rehab Foundation

Elegant & Radiant — Sushmita Ma'am's Birthday, 6th September

Cool Dude Granth 's Birthday, 16th September

Chill Bro -Naitik Ojha Birthday, 15th September

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

HIGHLIGHTS: समावेशी समाज की नींव ।।

RPWD ACT, 2016
RIGHTS OF PERSONS WITH DISABILITIES (RPWD) ACT, 2016

भारत सरकार द्वारा पारित एक कानून है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजन के अधिकारों की रक्षा करना तथा उन्हें समाज में समानता (equality), गरिमा (dignity) और पूर्ण सहभागिता (full participation) सुनिश्चित करना है।

यह अधिनियम प्रावधान करता है:

- Non-discrimination (भेदभाव रहित समाज),
- शिक्षा और रोजगार में Equal Opportunities,
- सामाजिक सुरक्षा, healthcare और पुनर्वास सेवाएँ,
- बाधा रहित वातावरण (Barrier-free environment) और समाज की मुख्यधारा में (inclusion)

Conditions Included:

- Blindness
- Low-vision
- Leprosy Cured persons
- HEARING IMPAIRMENT (deaf and hard of hearing)
- Locomotor Disability
- Dwarfism
- Intellectual Disability
- Mental Illness
- Autism Spectrum Disorder
- Cerebral Palsy
- Muscular Dystrophy
- Chronic Neurological Conditions
- SPECIFIC LEARNING DISABILITIES
- Multiple Sclerosis
- Speech and Language disability
- Thalassemia
- Hemophilia
- Sickle Cell disease
- Multiple Disabilities including deaf blindness
- Acid Attack victim
- Parkinson's disease

From Rights to Reality: RPwD Act in Action

1.Extra Time (Compensatory Time):

-Benchmark Disabilities जैसे – Blindness,LowVision,Cerebral Palsy,Dyslexia,Autism,Locomotor Disability,aRTHrOgryposis muliplex congenita (जिससे लिखने की गति प्रभावित होती है) वाले विद्यार्थियों को परीक्षा में प्रत्येक 1 घंटे पर 20 मिनट अतिरिक्त समय दिया जाता है।
Example: यदि परीक्षा 3 घंटे की है तो विद्यार्थी को 1 extra hour मिलेगा।

2.Use of Scribe / Reader / Lab Assistant:

विद्यार्थियों को Scribe (Writer) की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती है।
-विद्यार्थी चाहे तो अपना स्वयं का Scribe ला सकता है या संस्था (Institution) से उपलब्ध करा सकता है।

3.Alternative Question Papers:

-दृष्टिबाधित (Visually Impaired) एवं Specific Learning Disability वाले विद्यार्थियों के लिए प्रश्नपत्र Large Print, Braille या Simplified Language में उपलब्ध कराए जाते हैं।

4.Flexibility in Assessment:

-विद्यार्थियों के लिए अलग Marking Schemes, Spelling/Grammar Evaluation में छूठ, तथा आवश्यकता पड़ने पर Sign Language Interpreters की सुविधा प्रदान की जाती है।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

RPWD ACT, 2016
RIGHTS OF PERSONS WITH DISABILITIES (RPWD) ACT, 2016

<u>शिक्षण संस्थानों के कर्त्तव्य:</u> As per <u>CHAPTER III -EDUCATION</u> of RPWD ACT 2016

Government और local authorities प्रयास करेंगे कि उनके sponsored या recognised स्कूल में हर बच्चे को, especially disabilities वाले बच्चों को **साथ में पढ़ने** का मौका मिले।

- किसी भी बच्चे को बिना भेदभाव के **admission** देना है और education, sports, recreation जैसी activities हर बच्चे के लिए बराबर available होनी चाहिए।
- School की बिल्डिंग, campus और बाकी facilities हर बच्चे के लिए **आसान और accessible** होनी चाहिए।
- हर बच्चे की जरूरत के हिसाब से उसे **सुविधाएं** देना है।
- पढ़ाई और social development के लिए **extra support** देना है ताकि सभी बच्चों का पूरा विकास हो और **inclusion** का उदेशय पूरा हो सके.
- यह ensure करना कि blind, deaf या दोनों disabilities वाले persons को education सबसे **appropriate languages, modes और means of communication** में दी जाए।
- बच्चों में specific learning disabilities को जितनी जल्दी हो सके **detect करना** और उन्हें दूर करने के लिए उपयुक्त शैक्षणिक और अन्य measures लेना।
- हर student with disability की **participation, attainment levels** के हिसाब से progress और education की completion को **monitor** करना।
- Children with disabilities और high support needs वाले बच्चों के **attendant को transportation facilities** provide करना।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

Voices of Ability. Stories of Hope.

STORIES FROM THE HEART OF REHAB

फर्स्ट वन रिहैब फ़ाउंडेशन में गणेश उत्सव का उल्लास: आगमन से विसर्जन तक भक्ति और समावेश का संदेश

नोएडा, सितम्बर 2025 फर्स्ट वन रिहैब फ़ाउंडेशन में गणेश आगमन और विसर्जन का भव्य आयोजन
नोएडा स्थित फर्स्ट वन रिहैब फ़ाउंडेशन में इस वर्ष गणेश उत्सव बड़े उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। 27 अगस्त 2025 को गणपति बप्पा का आगमन पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। संस्थान को सुंदर सजावट से सुसज्जित किया गया और सभी सदस्यों, सहयोगियों तथा शुभचिंतकों ने मिलकर भगवान गणेश का स्वागत किया। वातावरण भक्ति गीतों, हंसी-खुशी और एकता के संदेश से गूंज उठा।

गणपति बप्पा के आगमन से लेकर विसर्जन तक पूरे संस्थान में आनंद और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल रहा। सभी ने इस पर्व को केवल धार्मिक अनुष्ठान के रूप में ही नहीं, बल्कि समावेश और सामूहिकता के प्रतीक के रूप में भी मनाया।

सितम्बर माह में पूरे समुदाय ने मिलकर बप्पा को भावभीनी विदाई दी। गणेश विसर्जन के दौरान प्रार्थनाएँ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और कृतज्ञता का भाव प्रमुख रहा। यह अवसर नए आरंभ और जीवन की बाधाओं को दूर करने के प्रतीक के रूप में मनाया गया।

यह कार्यक्रम टीम और बच्चों ने मिलकर आयोजित किया। शोभित, सारांश, वंश, भाविका, आरव, शिव, राजवी, राघवी, सान्वी, अनीशा, अशिता, ग्रंथ, ओशिमा, ओजिता, आराध्या, पावनी, स्नेहा आरव, मेघन, रूही, विधि और नैतिक सहित बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. दीक्षा शुभास्कर, डॉ. महिपाल सिंह, डॉ. सुष्मिता भाटी, कृष्ण यादव, सुरभि जैन, इलिका रावत, थॉमस फोली, सौम्या सोनी, डॉ. भावना आनंद, रितेश सिन्हा, रजत शर्मा, दिव्या कार्की और उदय कुमार यादव का विशेष योगदान रहा।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

नोएडा के फिजियोथेरेपिस्टों को कानपुर में राष्ट्रीय सम्मान — “फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन” की टीम को कई पुरस्कार एवं जौनपुर में ‘एक्टिव एजिंग’ कार्यशाला

कानपुर/नोएडा। वर्ल्ड फिजियोथेरेपी डे-2025 के अवसर पर कानपुर में आयोजित नेशनल कानपुर फिज़ियोकॉन में फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन, नोएडा को कई राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए। इस अवसर पर डॉ. महिपाल सिंह को “फिजियो दिग्गज सम्मान”, डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव और डॉ. सुष्मिता भाटी को “सामाजिक उत्कृष्टता सम्मान” तथा पूरी टीम को “दिव्यांगता हेतु राष्ट्र योगदान सम्मान” से सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतापगढ़ से आए वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. विश्वदीप सिंह को “डायनामिक फिजियो सम्मान” मिला।

समारोह का हिस्सा रही जौनपुर कार्यशाला “एक्टिव एजिंग — सक्रिय एवं स्वस्थ वृद्धावस्था” ने वृद्धों में जीवन-शैली संतुलन और शारीरिक सक्रियता पर जागरूकता फैलाई। डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव ने Diagnostic Reasoning और Musculoskeletal Pain पर, डॉ. महिपाल सिंह ने ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल्स और म्योथेरेपी तकनीकों पर, जबकि डॉ. सुष्मिता भाटी ने Pelvic Health पर मार्गदर्शन दिया।

इस कार्यशाला ने युवा फिजियोथेरेपिस्टों को प्रशिक्षण, केस-स्टडी और व्यावहारिक डेमो के माध्यम से क्लिनिकल स्किल्स निखारने का अवसर दिया। कार्यक्रम में रोगियों को नि:शुल्क परामर्श और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

इन राष्ट्रीय सम्मानों और कार्यशालाओं के माध्यम से फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन ने यह साबित किया कि वह केवल क्लिनिकल सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि दिव्यांगता पुनर्वास और सक्रिय वृद्धावस्था जैसे सामाजिक एजेंडे को भी आगे बढ़ा रहा है।

कृष्ण जन्माष्टमी पर दिव्यांग बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा माहौल — फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन, नोएडा

नोएडा — सेक्टर-70 के फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन में शनिवार को कृष्ण जन्माष्टमी बड़े उल्लास और भक्ति-भाव के साथ मनाई गई। इस विशेष अवसर पर दिव्यांग बच्चों ने कृष्ण-राधा के रंग में रंगकर नृत्य-नाटिका, रास-लीला के अंश और सुदामा चरित जैसे नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत कर दर्शकों का मन जीत लिया। मंच पर बच्चों की हाव-भाव भरी अदाकारी और सजीव अभिनय ने मौके को बेहद सजीव और प्रभावशाली बना दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अग्निशमन अधिकारी योगेंद्र चौरसिया और कवयित्री शशि पांडे रहे। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुति की खुले दिल से प्रशंसा की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में समावेशन की महत्वपूर्ण मिसाल हैं — ये न सिर्फ़ प्रतिभा को उभारते हैं, बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास को भी नई उड़ान देते हैं।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

दिव्यांगजनों के लिए सरकारी योजनाएं

नई दिल्ली, 24 अगस्त 2025: केंद्र सरकार ने दिव्यांगजनों (Persons with Disabilities – PwDs) के लिए नई पहल शुरू की है। अब रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर विशेष सहायता डेस्क (assistance desk) बनाई जाएगी, जिससे यात्रा (travel) और आसान व सुरक्षित (safe) हो सके।

सरकार की एक पॉलिसी ने हजारों लोगों के चेहरों पर ला दी मुस्कान, हर महीने मिलने वाला भत्ता दोगुना

अगरतला (त्रिपुरा). त्रिपुरा सरकार ने सामाजिक कल्याण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं. राज्य सचिवालय में परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने प्रेस बयान जारी कर बताया कि सरकार का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सीधे लाभ पहुंचाना है. मंत्री ने जानकारी दी कि दिव्यांगजन के लिए मासिक भत्ते को बढ़ाकर ₹2,000 से ₹5,000 कर दिया गया है. यह सुविधा उन लोगों को मिलेगी जिनकी दिव्यांगता 60 प्रतिशत से अधिक है और इसके लिए वैध प्रमाणपत्र अनिवार्य होगा. चौधरी ने कहा कि इस कदम से राज्य में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन को राहत मिलेगी और उनकी जीवन परिस्थितियों में सुधार होगा ।

फर्जी सर्टिफिकेट का खुलासा: जयपुर में 4 शिक्षकों की नौकरी गई

जयपुर: विकलांगता श्रेणी में भर्ती किए गए चार संस्कृत शिक्षकों की नौकरी रद्द कर दी गई है। जांच में पाया गया कि उनके विकलांगता प्रमाणपत्र फर्जी थे। शिक्षा विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उनकी नियुक्ति रद्द कर दी और आगे की कानूनी कार्यवाही की तैयारी की जा रही है ।

नई Yellow Metro Line से बढ़ेगी कनेक्टिविटी & Accessibility

नई दिल्ली, 12 अगस्त 2025:केंद्र सरकार ने बेंगलुरु मेट्रो के नया पीला लाइन (Yellow Line) का उद्घाटन किया और साथ ही बेंगलुरु–बेळगावी, नागपुर–पुणे, व श्री माता वैष्णो देवी कटरा–अमृतसर जैसे तीन नए Vande Bharat ट्रेनों को भी फ्लैग ऑफ़ किया। यह कदम देश में कनेक्टिविटी (connectivity – जुड़ाव) को बढ़ावा देगा, क्षेत्रीय विकास (regional development) को गति देगा और विशेष ज़रूरतों वाले यात्रियों (persons with special needs) के लिए यात्रा को और सहज (accessible – आसानी) बनाएगा।

CBSE ने 5 राज्यों व 1 UT में आश्चर्यजनक स्कूल निरीक्षण अभियान शुरू किया

नई दिल्ली, 13 अगस्त 2025: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने पांच राज्यों और एक केन्द्रशासित क्षेत्र में दस स्कूलों में अचानक निरीक्षण (surprise inspections) किए। इस पहल का मकसद स्कूलों की संपूर्ण गुणवत्ता, सुरक्षा, बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक अनुपालन सुनिश्चित करना है। इस कदम का उद्देश्य शैक्षिक संस्थानों में जवाबदेही और सुधार को बढ़ावा देना है।

Winsome Times—एक ऐसा जीवंत मंच, जहाँ हमारी कहानियाँ समुदाय की ऊर्जा, करुणा की गर्माहट और बदलाव की प्रेरणा से महक उठती हैं।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

UDID-UNIQUE DISABILITY ID CARD

यूडीआईडी (UNIQUE DISABILITY ID) कार्ड सरकार द्वारा दिव्यांगजनों को जारी किया जाने वाला एक डिजिटल पहचान पत्र है, जिसका उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं और लाभों तक आसान पहुँच प्रदान करना है। इस कार्ड के माध्यम से दिव्यांगजन पेंशन, छात्रवृत्ति और अन्य सरकारी सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं।

◆ यूडीआईडी कार्ड की मुख्य विशेषताएं:

- **राष्ट्रीय पहचान पत्र:** यह कार्ड भारत भर में दिव्यांग व्यक्तियों की पहचान के लिए एक समान पहचान पत्र के रूप में कार्य करता है।
- **सरकारी योजनाओं तक पहुँच:** यूडीआईडी कार्ड धारक केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, वित्तीय सहायता, शिक्षा और रोजगार के लाभ आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।
- **आसान डिजिटल प्रक्रिया:** यह कार्ड दिव्यांगजनों के लिए एक डिजिटल प्रक्रिया को बढ़ावा देता है, जिससे पंजीकरण, आवेदन और लाभ प्राप्त करना आसान हो जाता है।
- **प्रगति की निगरानी:** यह राष्ट्रीय स्तर पर लाभार्थियों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की निगरानी करने में मदद करता है।
- **रंग-कोडित कार्ड:** कार्ड में दिव्यांगता के स्तर के अनुसार रंग-कोडित जानकारी शामिल की गई है। 40% से कम दिव्यांगता वालों के लिए सफेद, 40-79% वालों के लिए पीला और 80% या उससे अधिक वालों के लिए नीला रंग है।

◆ यूडीआईडी कार्ड के लाभ:

- **समानता:** यह दिव्यांगजनों को आधार कार्ड की तरह एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है, जिससे उनकी पहचान का verification आसान हो जाता है।
- **सुलभता:** कार्ड की मदद से दिव्यांगजन भारत के किसी भी कोने में योजनाओं का लाभ ले सकते हैं।
- **पारदर्शिता:** यह विभिन्न स्तरों पर सरकारी लाभों के वितरण में पारदर्शिता और efficiency सुनिश्चित करता है।

◆ आवेदन कैसे करें:

- आप स्वावलंबन कार्ड यूडीआईडी पोर्टल (www.swavlambancard.gov.in) पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
- पंजीकरण और लॉग इन के बाद, आप विकलांगता प्रमाणपत्र और यूडीआईडी कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं, अपने आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और अपने प्रमाणपत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

◆ नवीनतम समाचार और अपडेट:

- इस कार्ड के माध्यम से, अब दिव्यांगजन किसी भी अस्पताल में अपने Smart UDID Card का उपयोग करके इलाज करवा सकते हैं।
- केंद्र सरकार ने 40% से कम विकलांगता वालों के लिए भी यूडीआईडी कार्ड का प्रस्ताव रखा है, जिससे लाभ अधिक व्यापक हो सकें।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

BREAKING NEWS

भारत में पहली बार वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

27 सितम्बर – 5 अक्टूबर 2025 | नई दिल्ली भारत पहली बार 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेज़बानी कर रहा है। दुनिया भर से दिव्यांग खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं। यह देश में दिव्यांग खेलों के लिए ऐतिहासिक अवसर है।

दिव्यम क्रिकेट अवॉर्ड्स से सम्मानित हुए दिव्यांग खिलाड़ी

18 सितम्बर 2025 | जयपुर राजस्थान दिव्यांग क्रिकेट संघ ने डीसीसीआई दिव्यम क्रिकेट अवॉर्ड्स का आयोजन किया, जिसमें दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगियों को सम्मानित किया गया।

व्हीलचेयर रैली से जागरूकता अभियान

26 सितम्बर 2025 | त्रिची (तमिलनाडु) त्रिची में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए बड़ी व्हीलचेयर रैली निकाली गई। इसमें दिव्यांगजन, मेडिकल प्रोफेशनल्स और छात्रों ने भाग लिया।

70,000 दिव्यांगजन को अभी तक नहीं मिले UDID कार्ड

सितम्बर 2025 | नागपुर नागपुर में 70,000 से अधिक दिव्यांगजन को अभी तक यूनिक डिसेबिलिटी आईडी कार्ड नहीं मिल पाए हैं। नगर निगम ने प्रक्रिया को तेज़ करने के लिए नया एसओपी जारी किया है।

परीक्षाओं में नए नियम – स्क्राइब की सुविधा अब संस्थानों से

सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे NEET, JEE और CAT के लिए स्क्राइब नियमों को सख्त किया है। दो साल के भीतर परीक्षाओं में व्यक्तिगत स्क्राइब की जगह संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए स्क्राइब अनिवार्य होंगे।

दिव्यांगों के देखभाल करने वालों को 6000 रुपये की मासिक सहायता

सितम्बर 2025 | दिल्ली दिल्ली सरकार ने 40% से अधिक दिव्यांगजन की देखभाल करने वालों के लिए 6000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता की घोषणा की है। इसका उद्देश्य थेरेपी, काउंसलिंग और ज़रूरी सेवाओं में मदद करना है।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

"सवारों खुद को"

बेटे संग 13वीं मंजिल से कूदी सीए की पत्नी, दोनों की मौत

ऐस सिटी सोसाइटी की घटना, बेटे की बीमारी से परेशान थी

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित ऐस सिटी सोसाइटी में शनिवार सुबह महिला ने बेटे के साथ 13वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना में साक्षी चावला (37) और बेटे दक्ष चावला (11) की मौत हो गई। बिसरख पुलिस ने फ्लैट में मिली डायरी से सुसाइड नोट बरामद किया है। इसमें आत्महत्या करने के लिए स्वयं को जिम्मेदार ठहराते हुए महिला ने इकलौते बेटे की बीमारी की परेशानी का जिक्र किया है। जांच में सामने आया है कि बेटा मानसिक रूप से बीमार था। इसको लेकर वह अवसाद में थी।

मूलरूप से उत्तराखंड के काशीपुर निवासी दर्पण चावला गुरुग्राम स्थित कंपनी में सीए हैं। वह ऐस सिटी सोसाइटी के ई-टावर में रहते हैं। पत्नी साक्षी और बेटा दक्ष भी साथ रहते थे। दक्ष बचपन से ही मानसिक रूप से बीमार था। इसको लेकर साक्षी परेशान थी। क्ष का उपचार भी चल रहा था।

डॉक्टरों के कहने पर बेटे को सुबह 9:30 जे के करीब दवाई दी जाती थी। शनिवार ह करीब 9 बजे दर्पण ने पत्नी को बेटे को ई देने के लिए जगाया और दूसरे कमरे में

दक्ष और साक्षी चावला (फाइल) स्रोत: परिजन

"मौके से सुसाइड नोट मिला है। बेटे के बीमार रहने से मां परेशान थी। दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया है। -शक्ति मोहन अवस्थी, डीसीपी सेंट्रल

ने बेटे के साथ लिफ्ट के पास मौजूद शाफ्ट की तरफ से छलांग लगा दी। मां-बेटे के गिरने के बाद मचे शोर के बाद दर्पण बाहर आए। पत्नी और बेटे के कूदने का पता चलने के बाद वह नीचे पहुंचे लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने बताया कि जिस जगह से साक्षी ने बेटे को लेकर छलांग लगाई वहां कुर्सी रखी हुई थी। पुलिस ने आशंका जताई है कि साक्षी ने कुर्सी पर बेटे को चढ़ाकर धक्का दिया और फिर खुद छलांग लगा दी। घटना की सीसीटीवी

नोएडा, हाल में ही एक घटना सामने आयी जिसमें अपने बेटे के संग 13वीं मंजिल से CA की पत्नी कूद गई और दोनों की मौत हो गई; बेटा Autism से ग्रसित था।
किसी भी uniquely abled, disabled या specially abled बच्चे, दिव्यांगजन बच्चे के माता-पिता के लिए यह स्वीकार करना आसान नहीं होता कि उनका बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। अलग होना इतनी बड़ी समस्या नहीं है। जितनी बड़ी समस्या है समाज, परिवार और parents द्वारा इस बात को स्वीकारने की, कि आपका ही नहीं हर बच्चा अपने में अलग प्रतिभा वाला, अलग गुणों वाला, अलग क्षमताओं वाला होता है।
ये समाज और परिवारजनों को जिम्मेदारी बनती है कि उन गुणों का विकास बेहतर ढंग से हो। एक माँ कभी भी इतनी कमज़ोर नहीं होती की अपने बच्चे को मौत के घाट उतार दे, इसीलिए ज़्यादातर घटनाओं में वो खुद भी स्वयं साथ में आत्महत्या कर लेती है।

इस समस्या से निकलने के लिए, इसका सामना करने के लिए, समस्या को समझना ज़रूरी है। तभी हम मनुष्य होने का अर्थ साकार कर पाएंगे और ऐसे परिवारों का साथ दें पाएंगे उनके संघर्षपूर्ण जीवन में उनका साथ दे पाएंगे।

1) सामाजिक नज़रिया -
समाज के नज़रिये के कारण ऐसे अभिभावक हमेशा pressure में, तनाव में रहते हैं क्योंकि आपका बच्चा उसकी क्षमताएं, उसका बढ़ना , एक तरह से आजकल status symbol बन गया है। ज़रूरत है समाज के aware होने की conscious होने की, ताकि वे आसपास हो रहे बदलाव को, परिस्थितियों को समझ कर response और और अपना सहयोग दें

2) परिवार में Communication Gap -
जब कोई बच्चा special होता है, तो भी परिवार के आपस के लोगों के विचारों में ही मतभेद होने लगता है अक्सर लोग समस्या का ज़िम्मेदार कौन है? इसको ढूंढने में, एक दुसरे को blame करने लगते है।

(3) Internet का इस्तेमाल - जिसकी वजह से परिवार में communication gap हो जाता है।
Internet आपको जानकारी तो देता है।पर उससे कितनी जानकारी लेनी है , कितनी बात सही है आपको ये जानना भी आना चाहिए। अपने बच्चे के लिए सही Doctor, therapist का चुनाव करें, इंटरनेट से मिली जानकारी का पूरा भरोसा न करें।

(4) हर बच्चा अलग है-
ये समझना जरूरी है कि हर बच्चा अलग है। बच्चे को उसकी पूरी क्षमताओं का विकास करने दें । उसे बढ़ने के लिए एक मिलनसार परिवार, एक अच्छे environment की जरूरत होती है।

5) खुद का विकास-Parents स्वयं पर भी काम करें -
सबसे ज़रूरी है की इन चुनौतियों का सामना करने के लिए Parents, family खुद पर भी ध्यान दें। अपनी hobbies, interest को ज़िंदा रखें। Yoga, Meditation को अपनाए। जब उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सही होगा तभी वे अपने बच्चे को पूरी तरह सँभालने की ज़िम्मेदारी उठा पाएंगे।

6)सही जानकारी-
अपने बच्चे के विकास की सही और पूरी जानकारी रखें।इसके लिए अपने doctor, therapist और social group का सही चुनाव करें।

7). Social Media vs. 'Real Life'
Social Media की life से प्रेरित भी होते हैं लोग और depress भी क्यूंकि वो लोगों के कमजोर क्षणों को नहीं देख पाते। कौन किस जानकारी को कैसे लेता है ये उसकी मानसिक स्तिथि पर निर्भर करता है। अपने विचारों को अपने मित्रों, परिवारजनों से share करें। Social Media की imaginary दुनिया से अपने real life को positive तरीके से connect करें। वही देखें और सुने जो आपको प्रेरणा देता है ।Real life से connect रहने की कोशिश ज़्यादा रखें।वो आपको आपके सुख दुःख share करने में मदद करेगा।

8) स्पष्टता और विश्वास रखें -
बच्चे का विकास क्रमिक होता है इस विषय पर स्पष्टता रखें ।समय के साथ सुधार होता है और ध्यान ना देने पर स्थिति और बिगड़ भी सकती है। इसलिए जागरूक रहें, स्पष्ट रहें और विश्वास रखें-आपके सही प्रयास आपके बच्चे के पूर्ण और सही विकास में हमेशा योगदान देता है । और समय और प्रयास के साथ हर दिव्यांगजन की स्थिति में सुधार की संभावना होती है।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन में मेडिकल वर्कशॉप का आयोजन, केंद्रीय मंत्री बी.एल. वर्मा ने किया सम्मानित

नोएडा सेक्टर-70 ,28 अगस्त, 2025, में फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन ने गुरुवार को कंधे और उससे जुड़ी समस्याओं पर मेडिकल वर्कशॉप एवं सेमिनार आयोजित किया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। निदेशक डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव ने कंधे की संरचना व समस्याओं पर जानकारी दी, जबकि डॉ. महिपाल सिंह ने पुनर्वास तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। सीईओ डॉ. सुष्मिता भाटी ने समग्र पुनर्वास की अवधारणा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन दिव्या कार्की व पियूष कांडपाल ने किया और इसमें कई विशेषज्ञ व छात्र शामिल हुए।

नोएडा में स्पीच डिसऑर्डर्स पर दो दिवसीय कार्यशाला

नोएडा। फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन द्वारा 3 और 4 सितम्बर 2025 को सेक्टर-70 स्थित संस्थान परिसर में स्पीच डिसऑर्डर्स पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विशेष शिक्षकों और अभिभावकों को स्पीच थैरेपी से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी और प्रशिक्षण प्रदान करना था।

कार्यशाला के पहले दिन अभिभावकों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसे स्पीच थैरेपिस्ट एवं एडमिन हेड श्री कृष्णा यादव और स्पेशल एजुकेटर सुश्री इलिका रावत ने संचालित किया।

दूसरे दिन विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया। इनमें डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव (ऑक्युपेशनल थैरेपिस्ट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर) ने विशेष शिक्षा में ऑक्युपेशनल थैरेपी की भूमिका, डॉ. महिपाल सिंह (फिजियोथैरेपिस्ट एवं डायरेक्टर) ने फिजियोथैरेपी की भूमिका और डॉ. सुष्मिता भाटी (फिजियोथैरेपिस्ट एवं सीईओ) ने स्पीच डिसऑर्डर्स में चेस्ट एवं ब्रीदिंग एक्सरसाइज़ के महत्व पर प्रकाश डाला।

संस्थान के अनुसार, यह कार्यशाला बच्चों की स्पीच संबंधी चुनौतियों के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे अभिभावक, शिक्षक और थैरेपिस्ट्स को व्यावहारिक लाभ प्राप्त होगा।

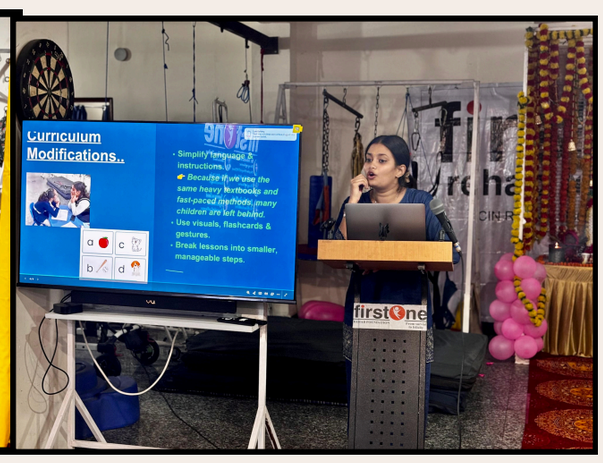

Winsome Times—एक ऐसा जीवंत मंच, जहाँ हमारी कहानियाँ समुदाय की ऊर्जा, करुणा की गर्माहट और बदलाव की प्रेरणा से महक उठती हैं।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

माता की चौकी और गरबा से मचाई धूम

नोएडा। सेक्टर-71 स्थित फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन में नवरात्रि पर माता की चौकी और गरबा महोत्सव का आयोजन हुआ। भजनों और आरती की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना, वहीं दिव्यांग बच्चों ने रंग-बिरंगे परिधानों में गरबा नृत्य कर सबका मन मोह लिया। खास पल तब आया जब माताओं ने भी बच्चों के साथ मिलकर गरबा किया।
इस अवसर पर सुरभि जैन (सेंटर मैनेजर) ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन दिव्यांग बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हैं। कार्यक्रम में डॉ. भावना आनंद, डॉ. महिपाल सिंह, डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव, डॉ. सुष्मिता भाटी, कृष्णा यादव, इलिका रावत, सौम्या सोनी और दिव्या कार्की उपस्थित रहे।

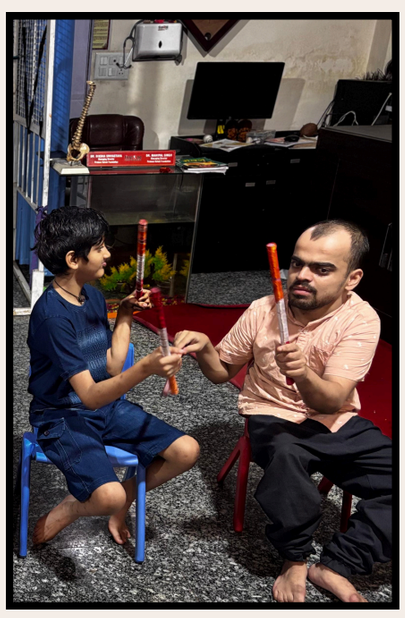

भारत में फ़िज़ियोथेरेपी की राह बनाने वाली डॉ. सुनीता सूद से फ़र्स्टवन टीम की प्रेरणादायी भेंट – मिली नई दिशा और उमंग

नोएडा। सोमवार को फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन सेक्टर 70 के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुष्मिता भाटी ने देश में फ़िज़ियोथेरेपी को प्रतिष्ठित स्थान दिलाने वाली अग्रणी हस्ती, आई.पी.एच. दिल्ली की प्रथम बैच की वरिष्ठ फिज़ियोथेरेपिस्ट एवं होली फ़ैमिली अस्पताल में 40 से अधिक वर्षों तक सेवाएँ देने वाली डॉ. सुनीता सूद से भेंट की।

इस अवसर पर टीम ने डॉ. सूद से आशीर्वाद प्राप्त किया और उन्हें आगामी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हेतु आमंत्रित किया। यह सम्मेलन विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस (4–5 अक्टूबर 2025) के उपलक्ष्य में गाज़ियाबाद में फ़र्स्टवन रिहैब फ़ाउंडेशन एवं भागीरथ सेवा संस्थान द्वारा आयोजित किया जा रहा है।
भेंट के दौरान फ़ाउंडेशन की ओर से बच्चों द्वारा तैयार की गई विशेष पत्रिका भी डॉ. सूद को भेंट की गई। यह पत्रिका बच्चों की रचनात्मकता और उनकी प्रतिभा का सुंदर प्रतिबिंब है।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

ECHOES OF HORIZON: INTERNATIONAL CONFERENCE ON CEREBRAL PALSY

ESTD. 1975

Ghaziabad: 4 और 5 अक्टूबर 2025 को गाज़ियाबाद में "Echoes of Horizon: Chapter Cerebral Palsy" का आयोजन होगा। यह सम्मेलन Cerebral Palsy Day 2025 के लिए है।

Theme – "Uniquely CP"

यह कार्यक्रम Firstone Rehab Foundation और Bhagirath Seva Sansthan द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होगा।

Conference में Keynote Sessions, Panel Discussions, Scientific Paper Presentations, Student Posters, Award Ceremony, Patient Voices और Cultural Activities होंगे। इसका उद्देश्य science, compassion और lived experiences को एक मंच पर लाकर CP care के भविष्य को नई दिशा देना है।

Vision of the Conference-
हर individual with CP को unique मानते हुए, उन्हें dignity, respect और opportunity के साथ society की mainstream से जोड़ना ही इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य है।

- मुख्य सत्र (Keynote sessions) जो physiotherapy, occupational therapy, special education, and rehabilitation sciences विशेषज्ञों के द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे।

- पैनल चर्चा (Panel Discussions) जहाँ professionals, caregivers और individuals with CP से जुड़े व्यक्तियों के प्रश्नों का समाधान किया जाएगा।

- वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुतियाँ (Scientific Paper Presentations)from PhD scholars, MPT, MOT, and MSc (Special Education)

- छात्र पोस्टर प्रस्तुतियाँ (Student Poster Presentations)

- पुरस्कार समारोह (Award Ceremony) Honouring dedicated mothers and professionals contributing to CP care.

- एक आवाज़ (Patient voices) CP के साथ जीने वाले व्यक्तियों द्वारा प्रस्तुतियाँ।

Winsome Times—एक ऐसा जीवंत मंच, जहाँ हमारी कहानियाँ समुदाय की ऊर्जा, करुणा की गर्माहट और बदलाव की प्रेरणा से महक उठती हैं।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

सशक्तिकरण, सम्मान और देखभाल का प्रतीक – FIRSTONE REHAB FOUNDATION

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Rehab Centre की स्थापना वर्ष 2015 में एक दृढ़ संकल्प के साथ की गई कि infantile developmental disorders, neurological issues, कार्यजीवन से जुड़ी समस्याएँ, पुराना दर्द (Chronic Pain) और बोलने में देरी जैसी स्थितियों का comprehensive उपचार प्रदान किया जा सके। हमारा उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना और प्रत्येक व्यक्ति के लिए नई उम्मीद जगाना है।

इसी सतत यात्रा में, हमने अपने प्रयासों को विस्तारित किया और 'FirstOne Rehab Foundation' के रूप में एक बड़े मिशन का हिस्सा बन गए।

हमारे केंद्रित प्रयासों ने visible and invisible दोनों प्रकार की अक्षमताओं, जैसे कि सीखने में कठिनाइयों, की पहचान को बेहतर बनाया है। इस सक्रिय approach ने प्रारंभिक हस्तक्षेप की रणनीतियों को काफी सुदृढ़ किया है। विभिन्न तरीकों से, जैसे :

- पुनर्वास सेवाएँ
- Awareness Creation Workshops
- सामुदायिक सहभागी कार्यक्रम (Community Participatory Programs)
- सतत चिकित्सा शिक्षा (Continued medical education)
- RSI rehabilitation programs for corporate companies

Our Infrastructure

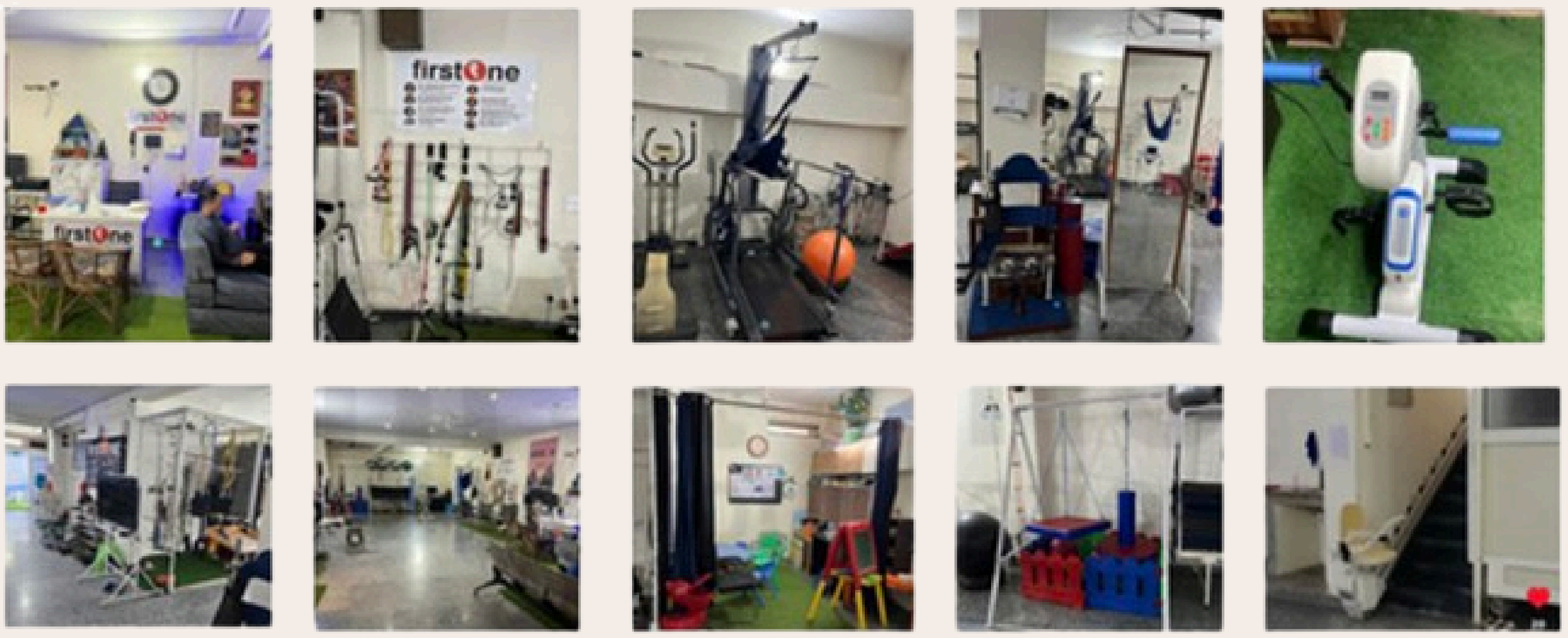

Winsome Times—एक ऐसा जीवंत मंच, जहाँ हमारी कहानियाँ समुदाय की ऊर्जा, करुणा की गर्माहट और बदलाव की प्रेरणा से महक उठती हैं।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

Bhagirath Seva Sansthan-Helping People Since 1975

ESTD. 1975

भगीरथ सेवा संस्थान की स्थापना 1975 में हुई थी। यह एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्वैच्छिक संगठन है जो वंचित समुदायों को सशक्त बनाने और दिव्यांग व्यक्तियों को अधिकार प्रदान करने के लिए समर्पित है। समावेशी और गरिमापूर्ण समाज के निर्माण के vision के साथ, यह संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पुनर्वास, व्यावसायिक प्रशिक्षण, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में कार्य करती है।

हमारा उद्देश्य एक equitable समाज का निर्माण करना है जहाँ हर व्यक्ति—चाहे उसकी क्षमता, background या परिस्थिति कुछ भी हो—has equal access to dignity, opportunity, and inclusion.

उपलब्धियाँ और मान्यताएँ-

- वर्ष 2021 में विकलांगजन सेवाओं में राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, (Awarded the State-Level First Prize in Disability Services in 2021,honoured by the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh.)
- विकलांगजन समावेशन, पुनर्वास और सशक्तिकरण (Recognized for leadership in disability inclusion, rehabilitation, and empowerment of Divyangjan.)
- NABH-मान्यता प्राप्त नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र का संचालन, (Operating a NABH-accredited De-Addiction & Rehabilitation Centre,) जो वर्ष 2000 से अब तक हज़ारों जीवन बदल चुका है। (transforming thousands of lives since 2000.)
- विशेष विद्यालय, कौशल विकास केंद्र और वृद्धाश्रम की स्थापना, (Established special schools, skill development centres, and old age homes,) ताकि सभी वर्गों को समग्र सहयोग मिल सके। (extending holistic support to all communities.)

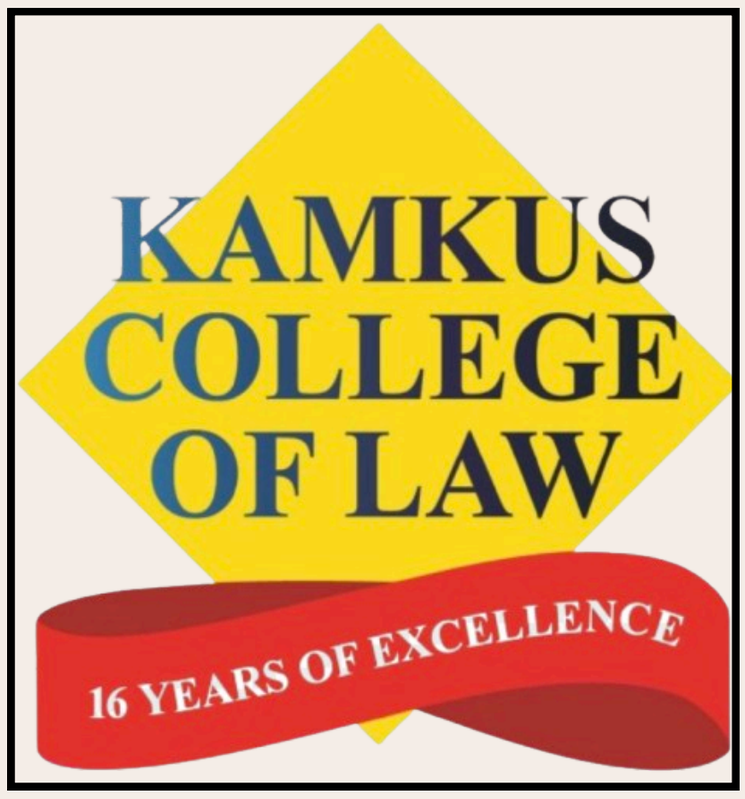

Winsome Times—एक ऐसा जीवंत मंच, जहाँ हमारी कहानियाँ समुदाय की ऊर्जा, करुणा की गर्माहट और बदलाव की प्रेरणा से महक उठती हैं।

firstone rehab foundation
CIN Reg No: U86201UP2024NPL198778

Winsome Times

ISSUE #3

Address: BS-153, Sector-70, Noida
Email: care@firstonefoundation.com
Phone: +91 9717025679
+91 120-3100798

@FIRSTONEREHABFOUNDATION

📲 Scan this QR code to know more

Kindly send your article entries on :
firstonerehabfoundation@gmail.com

Managing Editor-
Saumyaa Soni

Winsome Times—एक ऐसा जीवंत मंच, जहाँ हमारी कहानियाँ समुदाय की ऊर्जा, करुणा की गर्माहट और बदलाव की प्रेरणा से महक उठती हैं।